आ लौट के आजा हनुमान | By Rajendra Jain

आ लौट के आजा हनुमान
तुझे तेरे राम बुलाते हैं
लक्ष्मण के बचा ले प्राण
तुझे तेरे राम बुलाते हैं

प्यारे पवन सुत लादे संजीवन
क्यूँ अब तक ना आये
रो रो के मैं तो तुझको पुकारू
नर बानर कुम्भलाये
चहु और दिखे शमशान
तुझे तेरे राम बुलाते हैं
आ लौट के आजा हनुमान........

धरती पे मेरी आँखों का तारा
घायल अवस्था में सोता
हाय लखन अपनी माता का
बेटा है इकलौता
कब सुध लोगे हनुमान
तुझे तेरे राम बुलाते हैं
आ लौट के आजा हनुमान........

बीती सारी रेन के अब तो
क्षण भर भी ना बाकी
देखत देखत राह तुम्हारी
बैरन अँखियाँ थाकी
सूर्योदय लेगा जान
तुझे तेरे राम बुलाते हैं
आ लौट के आजा हनुमान........

पहली किरण उगने ना पाई
ले आये संजीवन
मूर्छा दूर करी लक्ष्मण की
तन कर दीन्हा कंचन
बजरंग तू ही बलवान
तुझे तेरे राम बुलाते हैं
आ लौट के आजा हनुमान........

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86-%e0%a4%b2%e0%a5%8c%e0%a4%9f-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%86%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a8-by-rajendra-jain/